नवभारत टाइम्स

3 दिसंबर 2024

'हवा से समंदर तक, नेवी में हर रोल में हैं महिलाएं'

युद्ध का नेचर नहीं बदला है लेकिन युद्ध का स्वरूप बदला है : नेवी चीफ

पीतमपुरा के एमएम पब्लिक स्कूल की स्टूडेंट चित्रा पालीवाल ने नेवी और मर्चेंट नेवी के फर्क को लेकर सवाल किया। जिसका जवाब देते हुए एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि जो उन राज्यों से आते हैं जो समंदर के करीब नहीं है, वहां कई लोगों ने शायद समंदर कभी नहीं देखा। मैं खुद मध्य प्रदेश से आता हूं। जब मैं छुट्टी पर जाता था तो लोग सोचते थे कि शायद मैं मर्चेंट नेवी में हूं। उन्होंने बताया कि हमारा 95 पर्सेंट (वॉल्यूम वाइज) ट्रेड समुद्री रास्तों से जाता है। मर्चेंट नेवी हमारे ट्रेड को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में मदद करती है। इंडियन नेवी यह सुनिश्चित करती है कि वे (मर्चेंट नेवी) अपना काम कर पाएं। वे काम तब कर पाएंगे, जब वे रास्ते जिससे वह जा रहे है, समंदर, महासागर, वे बिल्कुल सुरक्षित रहें। इंडियन नेवी का काम मेरीटाइम सिक्योरिटी है। कई और एजेंसी भी काम कर रही है लेकिन मेरीटाइम सिक्योरिटी का मुख्य जिम्मा इंडियन नेवी के पास है, देश ने हमें यह जिम्मेदारी दी है।